अणुव्रत अधिवेशन को संबोधित करते आज सरदारशहर आयेंगे मुज़्यमंत्री गहलोत

सरदारशहर 9 अक्टूबर, 2010। मुज़्यमंत्री अशोक गहलोत आज 61वें राष्ट्रीय अणुव्रत अधिवेशन को संबोधित करने सरदारशहर आयेंगे। वह प्रात: 9 बजे जयपुर से रवाना होकर 9.30 पर सरदारशहर के हेलीपेड पर उतरेंगे। वहां पर कांग्रेसी कार्यकर्ताओं एवं आचार्य महाप्रज्ञ चातुर्मास व्यवस्था समिति और अणुव्रत कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत किया जायेगा। 10 बजे के करीब मुज़्यमंत्री गहलोत तेरापंथ भवन में आचार्य महाश्रमण का आशीर्वाद लेंगे। वहां पर आयोजित अणुव्रत अधिवेशन में सज़्पूर्ण देश से पहुंचे कार्यकर्ताओं को मुज़्य अतिथि के तौर पर संबोधित करेंगे। इस कार्यक्रम के पश्चात अणुव्रत सभागार का लोकार्पण करेंगे, जिसकी अध्यक्षता सुमतिचन्द गोठी करेंगे।

मुनि जयंतकुमार बताया कि अशांत युग को अणुव्रत शांति का पैगाम देता है। अणुव्रत आन्दोलन इन्सान को इन्सान बनाने का आन्दोलन है। जन-जन में नैतिकता के प्रति निष्ठा पैदा करने का कार्य किया है। उन्होंने बताया कि अणुबम का जवाब अणुव्रत ही हो सकता है। इस अधिवेशन में अणुव्रत आन्दोलन को नई ऊर्जा के साथ पुन: चर्चा में लाया जायेगा।

61वां राष्ट्रीय अणुव्रत अधिवेशन शुरू

अणुव्रत महासमिति के संविधान में होगा संसोधन

अणुव्रत आंदोलन को फिर से सक्रिय किया जायेगा

सरदारशहर 9 अक्टूबर, 2010

आचार्य महाश्रमण के सान्निध्य में प्रारंभ हुए 61वें राष्ट्रीय अधिवेशन में देश के कोने-कोने से भाग लेने पहुंचे अणुव्रती कार्यकर्ताओं ने अणुव्रत महासमिति के संविधान संसोधन प्रारूप पर चिंतन मंथन किया। आजादी के ठीक बाद आचार्य तुलसी द्वारा चलाये गये अणुव्रत आंदोलन को गति देने के लिए संविधान में संशोधन किया जायेगा। आन्दोलन के प्रारंभ में देश के प्रथम राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री सहित

राजनीति, साहित्य जगत, मीडिया जगत, उद्योग क्षेत्र से जुड़ी बड़ी-बड़ी हस्तियां जुड़ी हुई थी। पीछले वर्षों में यह आन्दोलन सुस्त हो गया था। आचार्य महाप्रज्ञ ने महाप्रयाण के ठीक दो घंटे पहले इस आन्दोलन को सक्रिय करने के लिए अणुव्रत कार्यकर्ताओं की गोष्ठी में प्रेरणास्पद विचार व्यक्त किय थे। उन्हीं विचार को और इंगित को ध्यान में रखकर अणुव्रत कार्यकर्ताओं ने आचार्य महाश्रमण की अनुशासना में आन्दोलन को विश्वव्यापी बनाने का बीड़ा उठाया है। इसी उद्देश्य से 61वां राष्ट्रीय अणुव्रत अधिवेशन इस बार अणुव्रत महासमिति, अणुव्रत विश्वभारती एवं अज़िल भारतीय अणुव्रत न्यास ने मिलकर आयोजित किया है।

अधिवेशन के उद्घाटन क्षत्र को संबोधित करते हुए अणुव्रत प्रभारी मुनि सुखलाल ने कहा कि आज असंयम की देश के सामने ज्वलंत समस्या है। ऐसी परिस्थिति में अणुव्रत आन्दोलन संयम का संदेश बांट रहा है। संयम की चर्चा देश में निरंतर हो रही है, यह कोई कम बात नहीं है। आज हमें अणुव्रत अधिवेशन के अवसर पर गहराई से विचार करना है कि संयम की आवाज को कैसे बुलंद किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि आज नई ऊर्जा के साथ इस आन्दोलन को आगे बढ़ाना है। प्रेक्षाप्राध्यापक मुनि किशनलाल ने कहा कि अणुव्रत से जीवन की दिशा बदलती है। उन्होंने कहा कि आचार्य तुलसी ने अणुव्रत आन्दोलन के द्वारा नैतिकता, संयम और अहिंसा को नये रूप में प्रस्तुत किया। धर्म को साञ्प्रदायिक कटघरे से निकालकर जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया।

मुनि मोहजीत कुमार ने कहा कि अणुव्रत से जुड़े प्रत्येक कार्यकर्ताओं में कार्य की निष्ठा पैदा होनी चाहिए। कार्यकर्ताओं में नाम ज़्याति की भावना न रहे, काम का जुनून सवार होना चाहिए। इस मौके पर सुरत के बाबूभाई पटेल, डॉ. कुसुम लूणिया, डॉ. महेन्द्र कर्णावट, अर्जुन मेड़तवाल, डॉ. आनन्दप्रकाश त्रिपाठी, अणुव्रत महासमिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्मल एम.रांका ने अपने विचार रखे। अणुव्रत न्यास के प्रबंध न्यासी धनराज बोथरा एवं महासमिति के अध्यक्ष निर्मल रांका ने अणुव्रत समिति भिवानी और दिल्ली प्रदेश अणुव्रत समिति को अणुव्रत अलंकरण सज़्मान प्रदान किया। सरदारशहर अणुव्रत समिति के मंत्री मनीष पटावरी ने अणुव्रत गीत का संगान किया। डालचन्द चिण्डालिया ने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम का संचालन राजेन्द्र सेठिया ने किया।

– **शीतल बरड़िया** (मीडिया संयोजक)